प्रेस – विज्ञप्ति **दिनांक 11-12-09**

हीरक जयन्ती समारोह व जलमगांठ

गाँधी विद्या मंदिर के हीरक जयन्ती वर्षोत्सव व कुलपति मिलाप दूगड़ के ६५ वें जन्मदिन पर राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी बीकानेर व आइ.ए.एस.ई. मान्य विष्वविद्यालय सरदारषहर के संयुक्त सौजन्य से राजस्थानी भाषा विषयक ज्ञान गोष्ठी व लोक संगीत कार्यक्रम आयोजन सेठ सम्पतराम दूगड़ उच्च माध्यमिक विद्यालय के रामषरण प्रषाल में हुआ। कार्यक्रम (गोष्ठी) के मुख्य अतिथि आइ.ए.एस. श्री उमराव सालोदिया प्रमुख शासन सचिव कला, साहित्य संस्कृति पुरात्व विभाग राजस्थान-सरकार जयपुर व गाँधी विद्या मंदिर के अध्यक्ष श्री कनकमल दूगड़ के दीप प्रज्जवलन से शुभारम्भ हुआ विषिष्ठ अतिथियों में डॉ० महेन्द्र खड़गावत कार्यवाहक अध्यक्ष राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी बीकानेर एवं निदेषक अभिलेखाकार विभाग, भँवरसिंह सामौर पूर्व प्राचार्य लोहिया कॉलेज चूरू, समाजसेवी विष्वनाथ मित्तल, डॉ. वेद शर्मा व इतिहास विद डा. षिव कुमार भनोत थे।

राजस्थान साहित्यकार डा० भँवरसिंह सामौर ने अपने उद्‌बोधन में बताया कि ईरान से इण्डोनेषिया तक एक ही सभ्यता है, इण्डोनेषिया में सबसे बड़ा राममंदिर है जो कि हमारी सभ्यता व संस्कृति का प्रतीक है। प्रकृति में विकृति मानव के मूल स्वभाव में परिर्वतन कर देती है, अतः हमारी संस्कृति मूल आधार है। राजस्थानी भाषा व संस्कृति जो कि विदेषों में प्रभावी है उसका संरक्षण व प्रसार वर्तमान में आवष्यक है। इतिहासकार डॉ० षिवकुमार भणोत के अनुसार राजस्थानी संस्कृति का फलक काफी बड़ा है, राजस्थानी संस्कृति एक महानदी के समान है जिसमें हमारे रीति रिवाज, विचार परम्परा, चित्रकला, खान-पान, वेषभूषा आदि सभी का समावेष है राजस्थानी संस्कृति की विदेषों पर अंनुठी छाप है और इसे जीवित रखना तथा बढ़ावा देना हमारा कर्तव्य है। राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र खड़गावत ने विचार प्रकट करते हुए राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी बीकानेर के रचनात्मक कार्यो से परिचित करवाया गया तथा अकादमी की रूपरेखा प्रस्तुत की राजस्थान की ३०० हस्तलिखित पांडूलिपियों का प्रकाषन शीघ्र ही अकादमी द्वारा करवाया जायेगा। अभिलेखाकार विभाग द्वारा वेबसाइट पर प्राचीन साहित्य व पांडूलिपियों को उपलब्ध करवाने तथा माइक्रोफिल्म तैयार कर प्राचीन संस्कृति के प्रचार -प्रसार की योजना के बारे में अवगत करवाया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उमराव सालोदिया प्रमुख शासन सचिव राजस्थान सरकार ने कहा कि साहित्य संस्कृति व भाषा तथा लेखक कवियों साहित्यकारों को बढ़ावा दिया जा रहा है राजस्थानी भाषा के लेखक साहित्यकार कवियों को ५०००/- चिकित्सा सहायता तथा आर्थिक सहायता कार्यक्रम ''राजस्थान गौरव'' का आरम्भ किया गया है ताकि कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार हो और इस हेतु संगोष्ठी आदि का आयोजन भी राजस्थान के कोने-कोने में हो रहा है।

राजस्थानी भाषा को मान्यता देने संबंधी सरकार की कार्यवाही के बारे में अवगत करवाया। इस अवसर पर कुलपति मिलाप दूगड़ ने कहा कि अन्य राज्यों के समान अपनी मायड़ भाषा राजस्थानी को व्यापक स्तर पर षिक्षा पाठ्यक्रम में शामिल करना आवष्यक है तथा मान्य भाषाओ की सूची में शामिल किया जाना आवष्यक है तभी हम भविष्य में हमारी संस्कृति व सभ्यता को बढ़ावा दे सकते है। राजस्थानी भाषा के विद्वान डॉ० छगनलालशास्त्री व रमेष पोटलिया ने भी मायड़ भाषा के प्रचलन को बढ़ावा देने की आवष्यकता पर बल दिया कार्यक्रम समन्वयक डॉ. वेद शर्मा ने भी अपने विचार प्रकट कर प्रमुख शासन सचिव से राजस्थानी भाषा को मान्यता दिलवाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित मंचासीन अतिथियों व गणमान्य नागरिकों ने कुलपति मिलाप दूगड़ के ६५ वें जन्म दिवस पर चिरआयू होने की शुभकामना दी। तथा षिक्षा के क्षेत्र में गाँधी विद्या मंदिर की उतरोतर प्रगति की कामना की।

कार्यक्रम व संस्था अध्यक्ष कनक मल दूगड़ ने सभी महानुभवों का आभार व्यक्त करते हुए राजस्थानी सभ्यता व संस्कृति के संरक्षण पर बल दिया लोक संगीत कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रमुख शासन सचिव उमराव सालोदिया द्वारा राजस्थानी लोक गीत प्रस्तुत किये अन्य कवि संगीतकारों ने भी अपनी प्रस्तुति दी मध्यरात्रि तक श्रोताओं ने लोक संगीत का आनन्द उठाया। कार्यक्रम का मुख्य आर्कषण व प्रमुख विषेषता यह रही कि सभी वक्ताओं ने अपने विचार राजस्थानी मायड़ भाषा प्रस्तुत किये जो कि इस कार्यक्रम की सार्थकता का प्रतीक है।

कार्यक्रम में गाँधी विद्या मंदिर अतिरिक्त कुलसचिव रामप्रसाद पारीक, अति. कुलसचिव एस.पी. पुरोहित, प्राचार्य शेरसिंह, दिनेष बैद प्राचार्य, पुनमचन्द तातेड़ प्राचार्य, योगेषचन्द्र जोषी प्रधानाचार्य, राजकुमार तिवाड़ी प्रधानाचार्य, सोहनलाल डागा, बृजमोहन लाटा, रमेष पोटलिया, जितेन्द्र स्वामी, वेद प्रकाष चोटिया, शोभाकान्त स्वामी, जितेन्द्र लोढ़ा, बालेखां चायल, डॉ. इन्द्रसिंह बीका, विद्यालय व्यवस्थापक भँवरलाल अत्रि, सहव्यवस्थापक सुबोध सेठिया, कोषाध्यक्ष प्रकाष सेठिया आस पास समाचार के सम्पादक पशुपति अषोक सोनी, संस्था के समस्त कर्मचारीगण व शहर के प्रतिष्ठित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। संचालन राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के सचिव पृथ्वीराज रतनु ने किया।